पीपुल्स समाचार {04}
इंदौर, गुरुवार 22 जनवरी 2015
अपना शहर

कैट वैज्ञानिकों ने समझे साइबर क्राइम से सुरक्षा के उपाय

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
news.indore@peoplessamachar.co.in

पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल के निदेशक आईजी वरुण कपूर ने केट के वैज्ञानिकों को सायबर सुरक्षा के उपाय बताते हुए कहा कि केंद्रीय कार्यालय हों, राज्य शासन या अन्य कार्यालय हों, सभी जगह इंटरनेट के जरिए कार्य संपादित किए जा रहे हैं। ऐसे में छोटी-सी गलती भी व्यक्तिगत परेशानी या संस्थागत नुकसान को अंजाम दे सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि सायबर सुरक्षा के लिए टेक्नालॉजी के उपयोग में सावधानी बरती जाएं।

आईजी वरुण कपूर बुधवार को भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआर केट) के वैज्ञानिकों से रूबरू हुए। उन्होंने वैज्ञानिकों को सायबर क्राइम के बारे में जानकारी दी, छोटे-छोटे टिप्स एवं रोचक उदाहरणों से सायबर सुरक्षा के उपाय भी समझाए। वैज्ञानिकों ने भी उनसे कई सवाल किए और जिज्ञासा शांत की। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल द्वारा आयोजित 'समाधान अभियान' की 81वीं कार्यशाला में केट के कई वैज्ञानिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें वैज्ञानिकों को सायबर स्पेस की जानकारी दी गई। आईजी कपूर ने बताया कि अपराधियों द्वारा आधुनिक टेक्नोलॉजी से किस तरह अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। किस तरह आम नागरिकों, संस्थाओं, कार्यालयों आदि की जानकारी चोरी एवं इंटरनेट पर वायरस भेजकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कार्यशाला में उन्होंने कई बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। सभी कर्मचारियों को इंफरमेशन टेक्नोलॉजी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी होना नितांत आवश्यक है। तभी वे गलती करने से बच सकेंगे। कार्यशाला में एसपी (पीआरटीएस) सुदीप गोयनका ने भी संबोधित किया। आरआर केट के निदेशक डॉ. पीडी गुप्ता ने सायबर जागरूकता के लिए अन्य शाखाओं के कर्मचारियों के लिए भी कार्यशाला आयोजित करने का आग्रह किया।

कार्यशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक गुरनाम सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बीके जेना, मनोज शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण भी मौजूद थे। समापन अवसर पर केट अधिकारियों द्वारा आईजी कपूर को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।